



दैनिक संपादकीय विश्लेषण

विषय

चीन की आर्थिक लचीलापन के लिए
नई तर्कशक्ति

चीन की आर्थिक लचीलापन के लिए नई तर्कशक्ति

संदर्भ

- चीनी अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय लचीलापन प्रदर्शित किया है जबकि वैश्विक आर्थिक और व्यापारिक व्यवस्था गंभीर आघातों का सामना कर रही है।
- कई प्रमुख आर्थिक मुद्दे चिंता का विषय हैं, और चीन की विकास गतिशीलता, उत्पादन क्षमता तथा भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार संबंधों की समीक्षा करना आवश्यक है।

चीन की आर्थिक वृद्धि को क्या संचालित कर रहा है?

- 2025 में, चीन का GDP 140 ट्रिलियन युआन (लगभग 20 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर) से अधिक हो गया, जिसमें वर्ष-दर-वर्ष 5% की वृद्धि दर्ज की गई। चीन का योगदान वैश्विक आर्थिक वृद्धि में लगभग 30% तक पहुँचने की संभावना है।
- चीन की अर्थव्यवस्था उपभोग, निर्यात और निवेश के संयोजन से आगे बढ़ी, जबकि इसने गहन एवं सकारात्मक संरचनात्मक परिवर्तन का भी सामना किया।

घरेलू मांग: प्राथमिक वृद्धि इंजन

- घरेलू मांग चीन के आर्थिक विस्तार का मुख्य चालक बन गई है। 2025 में अंतिम उपभोग व्यय ने कुल आर्थिक वृद्धि में 52% का योगदान दिया।
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत भौतिक उपभोग संकेतकों के आधार पर चीन विश्व के अग्रणी उपभोक्ताओं में शामिल है।
 - मोबाइल फोन स्वामित्व:** प्रति व्यक्ति 1.28 इकाइयाँ, विश्व में सबसे अधिक में से एक।
 - औसत दैनिक प्रोटीन सेवन:** 124.6 ग्राम, अमेरिका और जापान से अधिक।
 - वार्षिक सब्जी उपभोग:** प्रति व्यक्ति 109.8 किलोग्राम, विश्व में सबसे अधिक।

निर्यात: स्थिरता प्रदाता

- 2025 में वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात ने चीन की आर्थिक वृद्धि में 32.7% का योगदान दिया, जो प्रतिकूल वैश्विक व्यापार वातावरण के बावजूद सुदृढ़ लचीलापन दर्शाता है।
- ‘मेड इन चाइना’ उत्पाद, विशेषकर उच्च-प्रौद्योगिकी वस्तुएँ, पूर्ण औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र और बढ़ती नवाचार क्षमता के कारण अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बने रहे।
 - उच्च-प्रौद्योगिकी निर्यात में वर्षभर में 13.2% की वृद्धि हुई।
- आसियान और यूरोपीय संघ जैसे प्रमुख बाजारों में निर्यात ने स्थिर वृद्धि बनाए रखी।

निवेश और उभरते वृद्धि चालक

- चीन में सकल पूँजी निर्माण ने आर्थिक वृद्धि में 15.3% का योगदान दिया। चीन धीरे-धीरे घरेलू उपभोग-प्रधान वृद्धि पैटर्न की ओर बढ़ रहा है, जिसमें निर्यात और नवाचार अतिरिक्त गति प्रदान कर रहे हैं।
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), क्वांटम प्रौद्योगिकी और ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस में प्रगति, साथ ही उच्च-स्तरीय विनिर्माण (जैसे सर्वर और औद्योगिक रोबोट) में तीव्र वृद्धि, अर्थव्यवस्था के भविष्य को आकार दे रही है।

- साथ ही, हरित उद्योग, जिनमें नवीकरणीय ऊर्जा और स्वच्छ शक्ति शामिल हैं, तीव्रता से विस्तार कर रहे हैं।

चीन 'अतिरिक्त क्षमता' का निर्यात क्यों नहीं कर रहा है?

- आपूर्ति पक्ष से:** चीन उच्च-गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धी उत्पादन क्षमता का निर्यात कर रहा है।
 - 2025 में, निर्दिष्ट आकार से ऊपर की उद्योगों की क्षमता उपयोग दर 74.4% तक पहुँची, जो अमेरिका और यूरोपीय संघ के स्तरों के तुलनीय है।
 - चीनी उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता दीर्घकालिक अनुसंधान एवं विकास निवेश, तीव्र घरेलू प्रतिस्पर्धा और विश्व की सबसे व्यापक औद्योगिक प्रणाली से उत्पन्न होती है, न कि सब्सिडी या डंपिंग से।
- मांग पक्ष से:** वैश्विक मांग चीन की बढ़ती उत्पादन क्षमता के पीछे मूल चालक है। कई विकासशील देशों ने चीनी उपकरण और प्रौद्योगिकियों को अपनाकर बुनियादी ढाँचे का उन्नयन किया है, ऊर्जा संक्रमण को आगे बढ़ाया है और औद्योगिकीकरण में तेजी लाई है।

भारत के साथ चीन के व्यापार घाटे का समाधान

- 2025 में चीन-भारत व्यापार 155.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गया। भारत का चीन से आयात मुख्यतः कच्चे माल और मध्यवर्ती घटकों का है, जो भारत के विनिर्माण एवं विकास के लिए आवश्यक हैं।
- भारत से चीन को बढ़ता निर्यात: भारत का चीन को निर्यात 19.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया, जो वर्ष-दर-वर्ष 9.7% की वृद्धि है।

भारत-चीन आर्थिक सहयोग के अवसर

- चीन ने 2026 के लिए घरेलू मांग के विस्तार को शीर्ष आर्थिक प्राथमिकता के रूप में पहचाना है, और यह उच्च-गुणवत्ता वाले भारतीय उत्पादों के लिए विशाल अवसर प्रदान करता है।
- 1.4 बिलियन लोगों में से 400 मिलियन से अधिक मध्यम-आय वर्ग के उपभोक्ताओं के साथ, चीन भारतीय वस्तुओं के लिए एक बड़ा बाज़ार है।
- भारत चीन अंतर्राष्ट्रीय आयात एक्सपो जैसे मंचों का उपयोग कर सकता है, जो प्रीमियम भारतीय वस्तुओं को चीनी उपभोक्ताओं तक पहुँचाने में सक्षम बनाते हैं।
- दोनों देश व्यापार असंतुलन को एशिया के साझा विकास लाभों में बदल सकते हैं, सहयोग को गहरा कर और एक-दूसरे की ओर अग्रसर होकर।

Source: TH

दैनिक मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न: चीन की आर्थिक लचीलापन में योगदान देने वाले प्रमुख कारकों पर चर्चा कीजिए, तथा यह भारत-चीन संबंधों को किस प्रकार पुनःआकार देता है, इसका विश्लेषण कीजिए।

